IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 2, October 2025
Impact Factor: 7.67

मेटावर्स और डिजिटल मार्केटिंग का भविष्य

डॉ. नम्रता दुबे

अतिथि विद्वान-वाणिज्य विभाग

शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा मध्य प्रदेश

सारांश (Abstract)

मेटावर्स एक काल्पनिक लेकिन तेजी से विकसित हो रहा डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र है, जिसमें वर्चुअल रियलिटी (VR), **ऑगमेंटेड रियलिटी** (AR), **ब्लॉकचेन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस** (AI) **जैसी तकनीकों का समावेश है। यह डिजिटल मार्केटिंग के भविष्य को पूरी तरह बदलने की क्षमता रखता है, जहां ब्रांड्स उपभोक्ताओं के साथ इमर्सिव, इंटरैक्टिव और पर्सनलाइज्ड अनुभव साझा कर सकते हैं। वर्तमान में** 2025 **में मेटावर्स बाजार का आकार लगभग** 103.6 **से** 203.7 **बिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है और** 2026 **में यह** 150.1 **से** 306 **बिलियन डॉलर तक बढ़ने की उम्मीद है।** 2026 **तक** 25% **लोग रोजाना कम से कम एक घंटा मेटावर्स में बिताएंगे। डिजिटल मार्केटिंग में यह वर्चुअल शोरूम**, NFT-**आधारित लॉयल्टी प्रोग्राम**, AR **फिल्टर्स और ब्रांडेड वर्चुअल वर्ल्ड्स के रूप में उभर रहा है।**

इस शोध पत्र में मेटावर्स के डिजिटल मार्केटिंग पर प्रभाव, अवसर, चुनौतियां और भविष्य के रुझानों का विश्लेषण किया गया है। साहित्य समीक्षा, केस स्टडीज और द्वितीयक डेटा के आधार पर पाया गया कि मेटावर्स पारंपरिक मार्केटिंग को इमर्सिव एक्सपीरियंस में बदल देगा, लेकिन फ्रैगमेंटेशन, प्राइवेसी और हाई कॉस्ट जैसी चुनौतियां भी हैं। निष्कर्ष में कहा गया है कि 2026 **और उसके बाद ब्रांड्स को** AI **के साथ मेटावर्स को एकीकृत करके हाइपर-पर्सनलाइजेशन और कम्युनिटी-ड्रिवन कैंपेन अपनाना चाहिए। यह भारतीय बाजार के लिए भी प्रासंगिक है, जहां युवा उपभोक्ता** AR/VR **को अपनाने के लिए तैयार हैं।**

कीवर्ड्स (Keywords)

मेटावर्स, डिजिटल मार्केटिंग, वर्चुअल रियलिटी, ऑगमेंटेड रियलिटी, NFT, **इमर्सिव एक्सपीरियंस**, AI-**पर्सनलाइजेशन, भविष्य के रुझान, केस स्टडीज, चुनौतियां।**

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in

DOI: 10.48175/IJARSCT-29300A